SOCHINDRA MANDAL.

-- आज हम सोचिन्द्र मंडलजी का इन्टरव्यू लेने आ रहे हैं।

बिहार के रहने ~~का रहने~~ वाले हैं।

-- शुरु से । नाम क्या है?

गाँव पड़ता है, ग्राम कछरी पट्टी, थाना खुटौना, जिला मधुबनी, बिहार। हम यहाँ दिल्ली आए हैं, कमाने के लिए। अब कमा रहे हैं, नौकरी कर रहे हैं बढ़ियाँ से। और... कोई परेशानी नहीं है। अपना घर द्वार यहाँ भी है। यहाँ भी रह रहे हैं आराम से।

-- आप अपने बचपन के बारे में बताइए।

बचपन के बारे में, हमारा वहाँ बचपन बीते। गाँव में खेती-बाड़ी कर रहे थे, तो वहाँ से फिर सब आने लगा दिल्ली तो हम, हमारा भाई भी, हम भी भाई के साथ आ गए। दिल्ली में अपना ~~नौकरी~~ नौकरी करने लगे। बहुत दिन के बाद, बहुत तक तो नौकरी में इतना नहीं ढंग के कर रहा था। अब थोड़ा-से ढंग के कर रहे हैं।

-- क्या काम कर रहे हैं?

मैं बफिंग का काम कर रहा हूँ पॉलिश के। स्टील पॉलिश। तनख्वा सत्तारह सौ रुपया मिल रहा है और... और सब कुछ सही है।

-- आज जिस गाँव से आए हैं, उस गाँव के बारे में बताइए।

गाँव में तो क्या बता है। गाँव में ठीक है, अच्छा से रहता था। सबकुछ सही है।

--- आपके अपने परिवार में किस तरह का

परिवार भी हमारा सही है। कोई वो नहीं है। सब सही है; परिवार, वरिवार सब।

--- यहाँ आने से पहले आप गाँव में क्या करते थे?

पहले खेती करते थे गाँव में।

--- पढ़ाई लिखाई कुछ भी नहीं किए?

पढ़ाई लिखाई नहीं किए। उतना हमारे पास टाइम नहीं मिला तो हम पढ़ाई लिखाई कहाँ से करेंगे। इतने टाइम में।

--- शादी कब किए हैं, शादी का तो आठ नौ साल हो गया है। शादी का आठ-नौ साल हो गया। शादी के बाद क्या, अपने ऊपर पड़ा तब कमाने ~~को सोचने~~ के लिए सब सोचने लगा। मैं भी जा रहे कमाने के लिए परिवार खुश रहे। दिल्ली, अपना दिल्ली आ गए। कमा रहे हैं।

--- ये हरिनगर है न?,

हाँ हरिनगर है।

--- उसके बारे में कुछ बताइए आप।

अब मैं यहाँ आया था तो इतने मकान बना नहीं था। हम भी लिए उसी समय प्लॉट करवाए थे। तो फिर जाके बनवाए। ~~अब~~ उस समय इतने मकान था नहीं, थोड़ा-बहुत था, ~~कुछ~~ हम भी अपना मकान बनाया। जिस हिसाब से कलोनी चल रहा है, वो ढंग से चल रहा है, कोई परेशानी नहीं है। फिर - -

- — यहाँ बिजली के लिए - - —

हाँ बिजली के लिए धरना दे रहा है, दिक्कत हो रहा है बिजली के परेशानी है। वो रामसिंह ले लिया है ठीका-उका, तो थोड़ा परेशानी ~~कु~~ पैंतीस सौ रुपया माँग रहा है तो कौन देगा पैंतीस सौ रुपया। इसी के लिए धरना दे रखा है कालोनी वालों ने और सबकुछ मनाते है जैसे छठ हुआ। बहुत से त्योहार है जो हम मनाते हैं यहींपर। गाँव की तरह।

- - - ~~काफी~~ काफी खुश रहते हैं?

हाँ, काफी खुश रहते हैं हम यहाँ पे। जीवन में तो बहुत कुछ सोच रखा है, ~~o~~ जब होगा तभी तो करूँगा। जब उतने होगा ही नहीं तो कहाँ से करूँगा। सैलरी मैंसे से हमारा तो मान लो बच ही नहीं रहा है बचता है, तो वही हजार, पाँच सौ रुपया। महीना के देता हूँ जो बच जाता है, वो दे देता हूँ, नहीं ~~बच~~ बचता है, तो नहीं भी देता हूँ। खाली ~~वक~~ वक्त में क्या करूँ, यहीं घर पे अपने बैठे रहते हैं घूमते रहते हैं, और क्या करूँ। कहाँ जाऊँ।

६ 4

– – सिनेमा वगैरह ? –

नहीं वो तब हम से ~~नहीं~~ पसंद नहीं है,
सिनेमा-उनेमा से हमें पसन्द नहीं है

– – अभी, आपकी जो वाइफ है, वो भी कभी नहीं बोलती है ले चलो घूमाने ?

नहीं वो भी नहीं बोलती है कभी नहीं,

– – आपके पिताजी आए हुए हैं वो खुश हैं आपके काम से ? कि ओ रहना सहन है ?

वो तो खुश है ही । अब काम कर रहे हैं, तो वो भी देख रहे हैं, जो काम कर रहा है वो तो खुश रहता ही रहता है। सब खुश है जीवन में बहुत कुछ सोच रहे हैं, मगर ये नहीं हो रहा है, क्या करें।

---- आप अपनी ज़िन्दगी के बारे में बताइए ----

जिन्दगी के बारे में मैं क्या बताऊँ। मुझे तो बोलने ही नहीं आता है। शुद्ध बात तो ये है, हम बिहार के रहने वाला है, यहाँ पर मैं दिल्ली आया हुआ है हमारा चार साल के लगभग हुआ है। बचपन से तो मैं बहुत मजबूरी में हूँ। मैं पाँच भाई-बहिन हूँ। दो बहन और तीन भाई। और मैं पढ़ी-लिखी नहीं हूँ। काम हमारा पति का वही है जो बाइस सौ रुपया सेलरी है और इसके अलावा तो कुछ है ही नहीं। घर पर भी कुछ देना पड़ता है यहाँ भी देखना पड़ता है यहाँ पर दिल्ली में मजबूरी में, दु:ख कार के कुछ जमीन ले लिया है और यहाँ का माहौल तो अच्छा है पड़ोसी सब भी सही मिला है मैं भी सही हूँ तो पड़ोसी भी सही हैं, और सब जो चल रहा है व सही है और मुझे दिल तो हो रहा है कुछ करने को, लेकिन मैं कर नहीं पाता हूँ इसलिए कुछ नहीं कर पा रहा हूँ कि कोई यहाँ पर ठीक ढंग का साथी भी नहीं मिल रहा है और आदमी भी है वह भी नहीं करने देता है, हमें ससुराल में भी सब सही मिला है सास-ससुर सब ठीक हैं। लड़ते-झगड़ने वाले कोई नहीं है सब सही है। नैहर में भी सब गरीब था। मेरे माँ-बाप सब गरीब थे। मजदूरी करके अपना पेट पाल रहा है और क्या बताऊँ।

--- शादी के पहले आपका बचपन जो गुजरा वह कैसा था? ----

शादी के पहले औ बचपन गुजरा वह तो, कैसे गुजरा, ऐसी ही गुजरा। सही गुजरा है। शादी को तो मुझे कुछ पता नहीं– कब हुआ नहीं हुआ। शादी का तो नहीं पता है।

--- क्या आपकी भी शादी गोदी में लेके ही कराई गई?--

गोदी में तो नहीं, पर इतना ध्यान नहीं है न। शादी का ध्यान बिल्कुल नहीं है. मैं बहुत छोटी थी। ससुराल में अच्छा लग रहा था। सब सास ननद सब सही मिला। इसलिए मुझे अच्छा लग रहा था। ससुराल में बहुत अच्छा लग रहा था।

--- उस समय तो आप बच्ची थीं- --

हाँ, बहुत छोटी बच्ची थी। बहुत प्यार करते थे सब मुझे। लड़की के जैसे मानता था. सब खिलाता था। बहुत छोटी तो बहुत प्यार मिला ससुराल में, ये नहीं है औ कोई चीज से तकलीफ नहीं हुआ अच्छा है, ससुराल में बहुत अच्छा भला है। ऐसे प्यार नैहर में मिला, जैसे प्यार ससुराल में मिला। बहुत अच्छा- सास, ससुर सब हमारा अच्छा है। शादी छः-सात साल के बाद दिल्ली आया। दिल्ली में तो मुझे अच्छा लग रहा है। दिल्ली में अच्छा लग रहा है औ इसलिए कि यहाँ पर अपना पति के साथ है इसलिए अच्छा लग रहा है।

--- पर्व- त्योहार आप कैसे मनाती हैं? -

पर्व- त्योहार तो खूब सही से मनाता है। यहाँ पर होली, दीपावली जैसे पर्व खूब सही से मना रहा है। अपना मनाते हैं धूमधाम से घर में

घर में ही रहता हूँ। बाहर कहीं नहीं घूमने ले जाते हैं, नहीं जाते हैं। शाम तक मैं घर में रहता हूँ। हम कहीं नहीं जाते घूमने-घूमने के लिए

--- आपको कितने बच्चे हैं?

नहीं अभी हमें को बच्चे नहीं हुआ है

--- शादी के इतने साल हो गए, अभी तक बच्चे नहीं हुए? --

नहीं। शादी के इतने साल हो गए पर बच्चे नहीं हुए हैं।

-- जीवन का कौन-सा सपना है जो पूरा करना चाहती हैं? — — —

जीवन में तो वही सपना करना चाहती हूँ जो दिल में है जो दिल में है वह कर नहीं पाता हूँ।

--- क्या है दिल में? --

दिल में तो है जो कोई जीवनसाथी मिले। अगर कोई संस्कार बढ़िया मिल जाए, कोई अच्छा, हमें नौकरी मिल जाए तो मैं कर सकता हूँ। मैं यही अपना दिल में चाहता हूँ जो कोई अच्छा जीवन-साथी मिल जाए, तो मैं कर सकता हूँ।

... जो जीवन साथी मिले हैं वह अच्छे नहीं हैं?

वह भी अच्छे हैं ऐसा नहीं है, वह भी सही है

- - - फिर आप दूसरा क्यों चाहती हैं?

दूसरा नहीं चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कोई ऐसा आदमी मिले जो मुझे आगे बढ़ने में सहायता कर सके।

- - - आपके परिवार में कोई प्रोबलेम भी है — सास-ससुर से या किसी दूसरे से?

नहीं, ऐसी कोई बात नहीं हैं। मुझे सास-ससुर से कोई प्रोबलेम नहीं है। अपने जीवन से तो मैं खुश हूँ।